कारोबारी सुगमता के लिहाज से हर जिले को मिलेगी रैंकिंग

अमर उजाला ब्यूरो

मुख्य सचिव ने दिए निवेश मित्र पोर्टल को और भी प्रभावी बनाने के निर्देश

लखनऊ। मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि कारोबारी सुगमता के अंतर्गत अपने-अपने जिलों में निवेश मित्र पोर्टल पर उद्यमियों से प्राप्त लाइसेंस के आवेदन, शिकायतों और फीडबैक का समयबद्ध निस्तारण होना चाहिए। निवेश मित्र पर आए आवेदनों व शिकायतों का समय-सीमा के अंतर्गत निस्तारण और यूजर का संतोषजनक फीडबैक के आधार पर सभी जिलों की माहवार रैंकिंग भी सुनिश्चित कराई जाए। मुख्य सचिव ने पत्र में कहा है कि कुल आवेदनों की संख्या के आधार पर जिलों को दो श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाएगा। प्रथम श्रेणी में ऐसे जिले होंगे, जहां प्राप्त कुल आवेदनों की संख्या 2 हजार से अधिक और दूसरी श्रेणी में बाकी जिले आएंगे।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक श्रेणी में जिलों की रैंकिंग की गणना निस्तारण के प्रतिशत के आधार पर होगी। तिवारी ने बताया कि भारत सरकार के स्तर पर राज्यों की कारोबारी रैंकिंग की 2014-15 से की जा रही है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश को अचीवर्स राज्य की श्रेणी में स्थान दिया गया है। वर्तमान में निवेश मित्र पर 20 विभागों की लगभग 125 से अधिक सेवाएं ऑनलाइन दी जा रही हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि जिलास्तरीय उद्योग बंधु की बैठकों में पोर्टल से प्राप्त आवेदन पत्रों का अनुवश्रण सुनिश्चित कराया जाए।

ओडीओपी उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए ऑनलाइन प्रदर्शनी अगले महीने

लखनऊ। प्रमुख सचिव सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम डॉ. नवनीत सहगल ने कहा है कि एक जिला-एक उत्पाद (ओडीओपी) उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए 30 जून से ऑनलाइन प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। राज्य के ओडीओपी प्रकोष्ठ और हैंडी क्राफ्ट एक्सपोर्ट काउंसिल की ओर से यह साझा आयोजन होगा। यूपी इस प्रकार का आयोजन कराने वाला देश का पहला राज्य होगा। सहगल शुक्रवार को कैसरबाग स्थित निर्यात प्रोत्साहन भवन में प्रदर्शनी के आयोजन के लिए हैंडी क्राफ्ट एक्सपोर्ट काउंसिल के प्रतिनिधियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन प्रदर्शनी में प्रदेश के सभी 57 ओडीओपी उत्पादों का प्रदर्शन होगा। इस प्रदर्शनी के माध्यम से राज्य के पारंपरिक कारीगरी को पूरे विश्व में देखा जा सकेगा। रोजगार के नये अवसर भी सृजित होंगे।

ऑनलाइन प्रदर्शनी कराने वाला उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य

इस वर्ष 10 प्रतिशत निर्यात बढ़ाने का लक्ष्य